# RAJYA SABHA

*Friday, the 29th May, 1998*
*Jyaistha 8, 1920 (Saka)*

The House met at Eleven of the Clock
**Mr. Chairman** *in the Chair.*

## ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

**राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण कार्यक्रम की निधियों का दुरुपयोग**

*41. **श्री ईश दत्त यादव:†**
**चौधरी हरमोहन सिंह यादव:**

**क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण कार्यक्रम की निधियों का दुरुपयोग होने के कारण उक्त कार्यक्रम विफल रहा है;

(ख) यदि हां, तो उसके अन्य क्या-क्या कारण हैं;

(ग) क्या इस संबंध में सरकार द्वारा कोई जांच की गई है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और जांच के क्या परिणाम रहे हैं?

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के राज्यमंत्री (श्री दलित एजिलमलाई):** (क) जी, नहीं।

(ख) से (घ) प्रश्न नहीं उठते।

**श्री ईश दत्त यादव:** मान्यवर सभापति महोदय, कैंसर प्राणघातक और जानलेवा बीमारी है और यह बढ़ती चली जा रही है। सरकार इस पर नियंत्रण पाने के लिए उदासीन है। मैं मंत्री जी के उत्तर से संतुष्ट तो नहीं हूं लेकिन इनको बहुत दोष भी नहीं दूंगा क्योंकि अभी इस विभाग में आए हैं लेकिन मैं चाहूंगा मंत्री जी से कि इस पर अध्ययन करें ताकि इस बीमारी पर नियंत्रण पाया जा सके। मान्यवर, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि यह राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण कार्यक्रम स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय -स्वास्थ्य विभाग लोक लेखा समिति 1996-97 की रिपोर्ट है और इस रिपोर्ट में मान्यवर, कहा गया है कि आज से करीब 20 वर्ष पहले सरकार ने कैंसर रोग पर नियंत्रण पाने के लिए योजना बनाई थी लेकिन योजना पर अभी तक ध्यान नहीं दिया गया और इस का दुरुपयोग ही होता गया। इसलिए मैं मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि इस में यह कहा गया है कि पिछले 9 वर्षों में 1985 से 1994 तक केन्द्र सरकार ने बजट में कुल 142 करोड़ रुपए का प्रावधान किया था लेकिन इसमें केवल 82 करोड़ रुपया अब तक व्यय किया गया जो कुल 58 प्रतिशत होता है और 53 प्रतिशत रुपया 9 वर्षों में आज तक व्यय नहीं किया गया। व्यय करने के दो तरीके हैं - राज्य सरकारों को दिया जाता है और कुछ स्वयं सेवी संस्थाएं हैं उनको दिया जाता है तो क्या मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि सरकार इस तरह से उदासीन क्यों है और 142 करोड़ रुपया अगर बजट में स्वीकृत किया गया तो आज तक इसका सदुपयोग क्यों नहीं किया गया ताकि इस भंयकर रोग पर, जानलेवा बीमारी पर नियंत्रण प्राप्त किया जा सके?

SHRI DALIT EZHILMALAI: Sir, with regard to the implemenation of these programmes we fully depend upon the State Governments and we will ask for the Report from the State Governments, and then I will inform the Member.

**श्री ईश दत्त यादव:** मान्यवर, मंत्री जी से सीधे-सीधे आपके माध्यम से यह भी कहूंगा कि इसमें बड़ा भ्रष्टाचार और बड़ा घपला भी हुआ है और आपने मेरे प्रश्न का बहुत सीधा उत्तर दे दिया है कि इसमें कोई घपला नहीं हुआ इसलिए जांच कराने की कोई आवश्यकता नहीं है। मैं लोक सभा की लोक लेखा समिति की जिस रिपोर्ट को पढ़ रहा था, माननीय सभापति जी के माध्यम से मैं अनुरोध करूंगा मंत्री जी कि आप इसका अध्ययन करें। लोक लेखा समिति ने कहा है कि इसमें एक बहुत बड़ा घपला हुआ है और मैं यह प्रश्न पूछ रहा हूं कि क्या आपको इस बात की जानकारी है कि 1985 से 1994 के दौरान 47.77 करोड़ रुपए की राशि में से राज्य सरकारों और अन्य संस्थाओं ने 42.77 करोड़ के उपयोगिता प्रमाण-पत्र अभी तक नहीं दिए हैं। 47.77 करोड़ में से 42.77 करोड़ के उपयोगिता प्रमाण-पत्र भारत सरकार को नौ वर्षों में प्राप्त नहीं हुए तो इसमें घपला हुआ है, इसमें पैसे का दुरूपयोग हुआ है। आपने सीधे तौर पर मेरे प्रश्न का उत्तर दिया है लेकिन मैं आपको दोष नहीं देता हूं। मैं पुन: कहूंगा मान्यवर सभापति जी के माध्यम से कि आप इसकी गहराई से छानबीन कराइए, इस पैसे का दुरुपयोग हुआ है। मैं जानना चाहता हूं कि क्या आपको यह जानकारी है कि 47 करोड़ में से 42 करोड़ रुपए से युटिलाइज़ेशन सर्टिफिकेट भारत सरकार को नहीं मिले हैं और यदि नहीं मिले तो भारत सरकार ने इस संबंध में अब तक क्या कार्यवाही की है?

†सभा में यह प्रश्न श्री ईश दत्त यादव द्वारा पूछा गया।

SHRI DALIT EZHILMALAI: Sir, if the hon. Member has got any specific thing, he can bring it to our notice and we will certainly take action on it.

MR. CHAIRMAN: He had asked simply whether you have got the utilization certificates from the State Governments for Rs. 42 crores. Have you got them or not? That is the question.

SHRI DALIT EZHILMALAI: Sir, we have asked the State Governments. We have taken up the matter with the State Governments. So far, we have received response from two State Governments and it is in the process. We are likely to get them.

श्री जनार्दन यादव: सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि कैंसर एक जानलेवा बीमारी है और जिनको कैंसर हो गया है, शुरू में ही उसके बचने की आशा समाप्त हो जाती है। मैं जानना चाहता हूं कि क्या सरकार ने नई टेक्नालॉजी के आधार पर इस देश में कैंसर पीड़ित रोगियों को बचाने के लिए कोई उपाय सोचा है? और क्या यह सरकार कैंसर के लिए नए अस्पताल बनाने की इच्छा रखती है या नहीं?

SHRI DALIT EZHILMALAI: Sir, we take note of this suggestion from the hon. Member. We have already got institutes at certain centres in the country. They are completely maintained by the State Governments. We take note of this suggestin of the hon. Member and we will pursue it.

SHRI NARENDRA MOHAN: Sir, the hon. Minister fully knows that the problems which he is talking of are of great importance and of very grave nature. Cancer is a totally fatal, deadly disease. A question has been asked about the misutilization of funds. He is just not able to reply to it.

Secondly, a question has been asked whether there are going to be new hospitals for curing the cancer patients. On that query also he is very evasive. I can only add to them. Would he reply to these queries first?

There are Standing Committee Reports. There are reports of other committees also on this issue and it has been brought to the notice of the Minister that there has been misappropriation in the utilization of funds for National Cancer Control Programme. Once it has been established by the Lok Lekha Samiti reports, it should be taken for granted that there is misappropriation. He should say how he is going to tackle this misappropriation of funds. Secondly, he should explain what the problem is with him for not giving consent for starting new hospitals for curing the cancer patients. It is the duty of the Government of India because such hospitals are very rare in the country.

SHRI DALIT EZHILMALAI: Sir, with regard to the utilization of funds, I have already submitted that we have asked for the utilization certificates from the State Governments and we have received two such certificates from two State Governments and we are still trying to get the certificates from the other State Governments. So far as the question of putting up new cancer hospitals is concerned, we are working it out. We will announce it.

SHRI NARENDRA MOHAN: Are you planning to open such hospitals?

SHRI DALIT EZHILMALAI: We are examining it.

श्री मोहम्मद सलीम: महोदय, कैंसर जानलेवा बीमारी है, यह सब लोग बोल रहे हैं लेकिन प्रीवेंटिव अरेंजमेंट भी करना चाहिए। इरेडीकेशन का, कंट्रोल का मतलब है प्रीवेंटिव। जो तम्बाकू च्युइंग होता है – पान बहार पान मसाला आदि – इस सरकार के आते ही अखबार में यह न्यूज़ आई कि इसे बैन कर दिया जाएगा। उस दिन से यह डिमांड है कि ओरल कैंसर होता है इसलिए पान मसाला आदि को – मैं ब्रांड का नाम नहीं बोल रहा हूं – उसे प्रमोट किया जाएगा या बैन किया जाएगा। लेकिन मेरे पास खबर है, क्या यह सच है कि जो व्यवसाय करने वाले लोग हैं – करोड़ों का व्यवसाय होता है – वह सब दिल्ली पहुंचे और दूसरे दिन से हैल्थ मिनिस्ट्री ने इस बात को ढक दिया कि यह बैन नहीं होने वाला है। क्या कारण है कि एक महीना पहले आपका मंत्रालय यह कह रहा था कि पान पराग पान मसाला से कैंसर होता है इसलिए इसको बैन करना पड़ेगा? उन लोगों से आपकी क्या बैठक हुई, क्या फैसला हुआ कि दूसरे दिन से आपने इस बात को दबा दिया? क्या अब आप यह महसूस नहीं करते कि पान पराग पान मसाला से कैंसर हो सकता है? कैंसर की रोकथाम के लिए क्या आप उस पर पांबदी लगाएंगे और कब लगाएंगे?

†श्री मोहम्मद सलीम : मेहरबानी। कैंसर जान लेवा बीमारी है। यह सब लोग बोल रहे हैं लेकिन प्रिवेंशन भी करना चाहिए। एडवर्टीजमेंट का। कंट्रोल का मतलब है प्रिवेंशन जो तमाखू चबाते हैं पान बहार पान मसाला आदी। इस सरकार के आते ही अखबार में यह न्यूज आई कि इसे बैन कर दिया जाएगा। इस दिशा में डिमांड है कि "ओरल कैंसर" होता है इसलिए पान मसाला आदी को। मैं ब्रांड का नाम नहीं बोल रहा हूं। इसे प्रमोट किया जाएगा। लेकिन मेरे पास खबर है कि क्या यह सच है कि जो प्रमोशन करने वाले लोग हैं। करोड़ों का प्रमोशन होता है। वह सब कहीं पहले और दूसरे दिन से हेल्थ मिनिस्ट्री ने इस बात को ठुकरा दिया कि यह बैन नहीं होने वाला है। क्या कारण है कि एक महीना पहले आपका मिनिस्टर यह कह रहा था कि पान मसाला से कैंसर होता है इसलिए इसको बैन करना पड़ेगा। इन लोगों से आपकी क्या बैठक हुई। क्या फैसला हुआ कि दूसरे दिन से आपने इस बात को दबा दिया। क्या अब आप यह महसूस नहीं करते कि पान मसाला से कैंसर हो सकता है। कैंसर की रोक थाम के लिए क्या आप इस पर पाबंदी लगाएंगे। और कब लगाएंगे।

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

SHRI DALIT EZHILMALAI: So far as the question of Pan Masala and Gutkha is concerned, Sir, we have set up a committee in the Ministry itself. They are investigating this issue. We are not going to be cowed down by any delegation. The Health Ministry has made a policy in this regard. This matter is not concerned with the Health Ministry only. This matter is concerned with three or four Ministries. An inter-Ministerial meeting will be convened very soon. After that we will be able to finalise it. We have constituted a committee in our Ministry.

SHRI S.B. CHAVAN: Mr. Chairman, Sir, it is a very simple question of not getting a utilisation certificate from the State Government and diverting funds for any other purpose. Since the hon. Minister is new, I don't want to put a number of questions to him. But Shri Ish Dutt Yadav said that there was a report of the Public Accounts Committee in which it had been stated that there was a total misappropriation of funds. In spite of that, if the officers have not supplied this information, will the hon. Minister try to go deep into the matter and find out if there is misappropriation or misutilisation of funds?

SHRI DALIT EZHILMALAI: Sir, there is no report of misutilisation or misappropriation of funds. It is true that we have not received the utilisation certificate.

MR. CHAIRMAN: But he has asked something else. He has referred to the report of the Public Accounts Committee. Have you seen it?

SHRI DALIT EZHILMALAI: Sir, there is no mention of misutilisation or misappropriation in the Committee report.

SHRI S.B. CHAVAN: It will be better if you go through the report and find it out.

SHRI DALIT EZHILMALAI: Sir, we will look into the matter.

MR. CHAIRMAN: Question No. 42.

*42. [The questioner (Shri Dilip Singh Judev) was absent. *For answer*, vide col. 32 *infra*.]

**रेलवे में परिचालन व्यय की तुलना में प्रशासनिक व्यय**

*43. **श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:†**
**श्री बरजिन्दर सिंह:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सच है कि रेलगाड़ियों के परिचालन हेतु ईंधन पर किया जाने वाला व्यय, रेलवे पर व्यय की

†सभा में यह प्रश्न श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया द्वारा पूछा गया।